يَسْـَٔلُونَكَ عَنِ ٱلشَّهْرِ ٱلْحَرَامِ قِتَالٍ فِيهِ ۖ قُلْ قِتَالٌ فِيهِ كَبِيرٌ ۚ
وَصَدٌّ عَن سَبِيلِ ٱللَّهِ وَكُفْرٌۢ بِهِۦ وَٱلْمَسْجِدِ ٱلْحَرَامِ وَإِخْرَاجُ
أَهْلِهِۦ مِنْهُ أَكْبَرُ عِندَ ٱللَّهِ ۚ وَٱلْفِتْنَةُ أَكْبَرُ مِنَ ٱلْقَتْلِ ۗ وَلَا
يَزَالُونَ يُقَـٰتِلُونَكُمْ حَتَّىٰ يَرُدُّوكُمْ عَن دِينِكُمْ إِنِ
ٱسْتَطَـٰعُوا۟ ۚ وَمَن يَرْتَدِدْ مِنكُمْ عَن دِينِهِۦ فَيَمُتْ وَهُوَ كَافِرٌ
فَأُو۟لَـٰٓئِكَ حَبِطَتْ أَعْمَـٰلُهُمْ فِى ٱلدُّنْيَا وَٱلْـَٔاخِرَةِ ۖ وَأُو۟لَـٰٓئِكَ
أَصْحَـٰبُ ٱلنَّارِ ۖ هُمْ فِيهَا خَـٰلِدُونَ ﴿٢١٧﴾ إِنَّ ٱلَّذِينَ ءَامَنُوا۟
وَٱلَّذِينَ هَاجَرُوا۟ وَجَـٰهَدُوا۟ فِى سَبِيلِ ٱللَّهِ أُو۟لَـٰٓئِكَ يَرْجُونَ
رَحْمَتَ ٱللَّهِ ۚ وَٱللَّهُ غَفُورٌ رَّحِيمٌ ﴿٢١٨﴾ * يَسْـَٔلُونَكَ عَنِ ٱلْخَمْرِ
وَٱلْمَيْسِرِ ۖ قُلْ فِيهِمَآ إِثْمٌ كَبِيرٌ وَمَنَـٰفِعُ لِلنَّاسِ وَإِثْمُهُمَآ
أَكْبَرُ مِن نَّفْعِهِمَا ۗ وَيَسْـَٔلُونَكَ مَاذَا يُنفِقُونَ ۖ قُلِ ٱلْعَفْوَ ۗ
كَذَٰلِكَ يُبَيِّنُ ٱللَّهُ لَكُمُ ٱلْـَٔايَـٰتِ لَعَلَّكُمْ تَتَفَكَّرُونَ ﴿٢١٩﴾ فِى
ٱلدُّنْيَا وَٱلْـَٔاخِرَةِ ۗ وَيَسْـَٔلُونَكَ عَنِ ٱلْيَتَـٰمَىٰ ۖ قُلْ إِصْلَاحٌ لَّهُمْ
خَيْرٌ ۖ وَإِن تُخَالِطُوهُمْ فَإِخْوَٰنُكُمْ ۚ وَٱللَّهُ يَعْلَمُ ٱلْمُفْسِدَ مِنَ
ٱلْمُصْلِحِ ۚ وَلَوْ شَآءَ ٱللَّهُ لَأَعْنَتَكُمْ ۚ إِنَّ ٱللَّهَ عَزِيزٌ حَكِيمٌ ﴿٢٢٠﴾
وَلَا تَنكِحُوا۟ ٱلْمُشْرِكَـٰتِ حَتَّىٰ يُؤْمِنَّ ۚ وَلَأَمَةٌ مُّؤْمِنَةٌ خَيْرٌ
مِّن مُّشْرِكَةٍ وَلَوْ أَعْجَبَتْكُمْ ۗ وَلَا تُنكِحُوا۟ ٱلْمُشْرِكِينَ حَتَّىٰ
يُؤْمِنُوا۟ ۚ وَلَعَبْدٌ مُّؤْمِنٌ خَيْرٌ مِّن مُّشْرِكٍ وَلَوْ أَعْجَبَكُمْ ۗ

أُوْلَٰٓئِكَ يَدْعُونَ إِلَى ٱلنَّارِ ۖ وَٱللَّهُ يَدْعُوٓاْ إِلَى ٱلْجَنَّةِ وَٱلْمَغْفِرَةِ بِإِذْنِهِۦ ۖ وَيُبَيِّنُ ءَايَٰتِهِۦ لِلنَّاسِ لَعَلَّهُمْ يَتَذَكَّرُونَ ﴿٢٢١﴾

Theme	
Fighting during the Sacred Months is a heinous sin. Punishment for 'murtad' (the one who turns back from Islam). Drinking and gambling are sinful (First Order of prohibition). The commandment to deal with orphans justly. It is unlawful to marry a mushrik male or a female.	हुरमत वाले महीनों में लड़ना बहुत बड़ा गुनाह है। मुर्तद यानी इस्लाम से फिर जाने वाले की सज़ा। शराब पीना और जुआ खेलना गुनाह हैं (ममानअत का पहला हुक्म)। यतीमों के साथ इंसाफ़ से पेश आने का हुक्म। मुशरिक मर्द या औरत से निकाह करना जायज़ नहीं है।
Tarjumani	
They ask you about war in the Sacred Month. Tell them: "Fighting in this month is a big offence; but to prevent from the path of Allah, to deny Him, to prevent an access to, and expel His worshippers from Al-Masjid-al-Haram are more severe crimes in the sight of Allah, and mischief is worse than killing. As for unbelievers: they will not cease fighting until they succeed in	लोग पूछते हैं : माहे-हराम में लड़ना कैसे है? कहो : उसमें लड़ना बहुत बुरा है, मगर राहे-ख़ुदा से लोगों को रोकना और अल्लाह से कुफ़्र करना और मस्जिदे-हराम का रास्ता खुदापरस्तों पर बन्द करना और हरम के रहनेवालों को वहाँ से निकालना अल्लाह के नज़दीक इससे भी ज़्यादा बुरा है और फ़ितना ख़ूँरेजी से शादीदतर है	वे तो तुमसे लाडे ही जायँगे हत्ता कि अगर उनका बस चले तो तुम्हारे दीन से तुमको फेर ले जाएँ

turning you back from your religion, if they can; if any of you turns back from his religion and dies as an unbeliever, his deeds will become void in this life and in the hereafter. He will be the inmate of the hellfire, to live in there forever. Surely, those who believed, migrated and struggled in the path of Allah, they are the ones who can hope for the mercy of Allah; Allah is Forgiving, Merciful. They ask you about drinking and gambling. Tell them: "There is great sin in both, although they may have some benefit for men, but their sin is greater than their benefit." They ask you what they should spend, tell them: "What is beyond your needs. Thus, Allah makes His revelations clear to you, so that you may reflect upon this world and the hereafter. They ask you about orphans. Tell them: "It is best to look for their welfare; and if you mix your affairs with theirs (become copartners), then they		(और यह ख़ूब समझ लो कि) तुममें से जो कोई अपने दीन से फिरेगा और कुफ़्र की हालत में जान देगा, उसके आमाल दुनिया और आख़िरत दोनों में ज़ाया हो जाएँगे	ऐसे सब लोग जहन्नमी हैं और हमेशा जहन्नम ही में रहेंगे| बखिलाफ़ इसके जो लोग ईमान लाए हैं और जिन्होंने ख़ुदा की राह में अपना घरबार छोड़ा और जिहाद किया है, वे रहमते-इलाही के जाइज़ उम्मीदवार हैं और अल्लाह उनकी लगजिशों को माफ़ करनेवाला और अपनी रहमत से उन्हें नवाजनेवाला है| पूछते हैं : शराब और जुए का क्या हुक्म है? कहो : इन दोनों चीजों में बड़ी खराबी है	अगरचे इनमें लोगों के लिए कुछ मुनाफ़े भी हैं, मगर इनका गुनाह उनके फ़ायदे से बहुत ज़्यादा है	पूछते हैं : हम राहे-ख़ुदा में क्या ख़र्च करें? कहो : जो कुछ तुम्हारी ज़रूरत से ज़्यादा हो इस तरह अल्लाह तुम्हारे लिए साफ़-साफ़ अहकाम बयान करता है, शायद की तुम दुनिया और आख़िरत दोनों की फ़िक्र करो	पूछते हैं : यतीमों के साथ क्या मामला किया जाए? कहो : जिस तर्ज़े-अमल में उनके लिए भलाई हो, वही इखतियार करना बेहतर है	अगर तुम अपना

are your brothers; Allah knows who means harm and who means their welfare. If Allah wanted, He could be hard on you in this matter, surely. Allah is Mighty, Wise." Do not marry mushrik women until they become believers; a believing slave woman is better than a free mushrik woman even though she may be more attractive to you. Likewise, do not marry mushrik men until they become believers: a believing slave is better than a free mushrik even though he may be more pleasing to you. These mushrikeen invite you to the hellfire while Allah invites you towards paradise and forgiveness by His grace. He makes His revelations clear to mankind so that they may take heed.	और उनका ख़र्च और रहना-सहना मुश्तरक रखो तो इसमें कोई मुज़ायका नहीं	आख़िर वे तुम्हारे भाई-बन्द ही तो हैं	बुराई करनेवाले और भलाई करनेवाले, दोनों का हाल अल्लाह पर रौशन है	अल्लाह चाहता तो इस मामले में तुमपर सख्ती करता, मगर वह साहिबे-इखतियार होने के साथ साहिबे-हिकमत भी है	तुम मुशरिक औरतों से हरगिज़ निकाह न करना, जब तक कि वे ईमान न ले आएँ	एक मोमिन लौंडी मुशरिक शरीफजादी से बेहतर है, अगरचे वह तुम्हें बहुत पसन्द हो	और अपनी औरतों के निकाह मुशरिक मर्दों से कभी न करना, जब तक वे ईमान न ले आएँ	एक मोमिन गुलाम मुशरिक शरीफ़ से बेहतर है, अगरचे वह तुम्हें बहुत पसन्द हो	ये लोग तुम्हें आग की तरफ़ बुलाते हैं और अल्लाह अपने इज़्न से तुमको जन्नत और मगफिरत की तरफ़ बुलाता है, और वह अपने अहकाम वाज़ेह तौर पर लोगों के सामने बयान करता है, तवक्को है कि वे सबक़ लेंगे और नसीहत क़बूल करेंगे	

Tafsir